# LITTERA PUBLIC SCHOOL

## पाठ ५

## मनहूस कौन

बंगाल के राजा कृष्ण चंद्र राय के राज दरबार में गोपाल नाम का मजाकिया रहता था। गोपाल की मस्करी की यह विशेषता थी कि कोई भी उसके मजाक हो खराब नहीं मानता था। गोपाल के द्वारा किए गए मजाक को गंभीर से गंभीर परिस्थिति में भी सबके मन को हल्का कर देती थी। राजा कृष्ण चंद्र राय जब दिन खराब होता था तो वह उसी व्यक्ति को सजा देते थे जिसका दर्शन वह सबसे पहले करते थे। व्यक्ति को या तो मृत्यु दंड मिलता था या कोई कड़ी सजा और उसे मनहूस कहा जाता था।

१. दरबारियों का मन बनाने का काम कौन करता था?

दरबारियों का मन बहलाने का काम गोपाल नाम का मजाकिया

करता था।

२. वेतन के अलावा गोपाल को और क्या मिलता था?

मासिक वेतन के अलावा भोपाल राजा से कोई अच्छा से अच्छा इनाम भी प्राप्त करता था।

३. मनहूसियत का दंड भोग चुके चुके दरबारी गोपाल से क्यों मिलने आए।

मनहूसियत पर दंड भोग चुके दरबारी गोपाल से मिलने इसलिए कि गोपाल के पास बहुत ही तेज बुद्धि है और वह कोई ना कोई रास्ता निकाल ही लेगा।

४. राजा के नाई का क्या नाम था?

राजा के नाई का नाम शहनाई था।

५. कृष्ण चंद्र राय कहां के राजा थे?

कृष्ण चंद्र राय बंगाल के राजा थे।